

प्रेषक,

एस0एस0वल्दिया,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

सूचना अनुभाग

देहरादून: दिनांक 15 जुलाई, 2008

विषय:- वित्तीय वर्ष 2008-2009 में अनुदान संख्या-30 एवं 31 के अन्तर्गत धनराशि के आवंटन किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड हेतु वित्तीय वर्ष 2008-09 में अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत रुपये 9.25 लाख (रुपये नौ लाख पच्चीस हजार मात्र) एवं अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत रुपये 2.51 लाख (रुपये दो लाख इक्यावन हजार मात्र) की धनराशि निम्न शर्तानुसार व्यय करने हेतु आपके नियन्त्रण पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2-उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसी व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन हो। धनराशि व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय संबंधित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये।

3-धनराशि उसी मद में व्यय किया जाये जिसके लिये स्वीकृत की जा रही हो। व्यय में मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाये। किसी भी मद में व्यय से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका, बजट मैनुअल, भण्डार कय नियम तथा मितव्ययता संबंधी समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। उपकरणों का कय डी0जी0एस0एण्ड डी की दरों पर किया जायेगा और ये दरें न होने की स्थिति में टेंडर (कोटेशन) विषयक नियमों का अनुपालन करते हुए ही किया जायेगा।

4-स्वीकृत धनराशि का व्यय विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन तथा महालेखाकार को उपलब्ध करा दिया जाय।

5-कम्प्यूटर आदि का कय एन0आई0सी0/आई0टी0 विभाग के संस्तुति के उपरान्त ही उनके दिशा-निर्देशों के अनुपालन में सुनिश्चित किया जायेगा।

6- अनुसूचित जाति एवं जनजाति की राज्य गठन के बाद की सूचना समाज कल्याण वेबसाईट पर उपलब्ध करायी जानी सुनिश्चित की जाय एवं परिव्यय की मांग के सापेक्ष जारी की जा रही धनराशि का शत-प्रतिशत उपयोग अनुसूचित जाति एवं जनजाति के कल्याणार्थ संचालित योजना पर व्यय करना सुनिश्चित किया जाय।

7-इस संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2008-09 के अनुदान संख्या-30 एवं 31 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2220-सूचना तथा प्रसार के आयोजनागत पक्ष के निम्नलिखित उप लेखाशीर्षक के अन्तर्गत उल्लिखित सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा:-
अनुदान संख्या-30

लेखा शीर्षक/उपलेखाशीर्षक	मानक मद	घनराशि हजार रुपये में
2220- सूचना तथा प्रचार		
60- अन्य व्यय		
800- अन्य व्यय		
02-अनु0जा0क लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान		
0201-गीत एवं नाट्य योजना	08-कार्यालय व्यय	800
0202- किसान मेला प्रदर्शनी	19-विज्ञापन बिक्री और विख्यापन व्यय	125
	योग-	925

(रुपये नौ लाख पच्चीस हजार मात्र)

लेखाशीर्षक/उपलेखाशीर्षक	मानक मद	घनराशि हजार रुपये में
2220- सूचना तथा प्रचार		
60- अन्य-आयोजनागत		
700-जनजाति क्षेत्र उपयोजना		
01-गीत एवं नाट्य योजना	08-कार्यालय व्यय	250
02- किसान मेला प्रदर्शनी का आयोजन	19-विज्ञापन, बिक्री और विख्यापन व्यय	01
	योग-	251

(रुपये दो लाख इक्यावन हजार मात्र)

8-उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ0शा0प0स0-41 पी0/XXVII (5)/2008, दिनांक 07, जुलाई, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति के आधार पर जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस0एस0वल्दिया)
उप सचिव

संख्या : 153/XXII/ 2008-2(7) 2007 तददिनांकित।

1. प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-
2. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. निजी सचिव, मा.सूचना मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
4. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
6. समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
7. वित्त अनुभाग-5
8. एन.आई.सी., देहरादून सचिवालय।
9. गार्ड फाईल।

अज्ञात
(एस0एस0वल्दिया)
उप सचिव